

मूक पात्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 270 बेमेतरा, बुधवार 27 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रुपये डाक पंजीयन- दुर्गा/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल पर 8 की मार

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार जनता की जेब पर लगातार बोझ डाल रही है और महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है। राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा, महंगाई वाले मोदी ने फिर हमला किया। वे पेट्रोल-डीजल के दाम क़िशतों में बढ़ाते हैं ताकि आपकी जेब से चुपचाप पैसे निकलते रहें। उन्होंने दावा किया कि वह पिछले कई महीनों से देश में आने वाले आर्थिक तूफ़ान को लेकर चेतावनी देते रहे हैं, लेकिन सरकार चुनावी राजनीति में व्यस्त रही। राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी हमेशा की तरह चुनावों में व्यस्त थे और जैसे ही चुनाव खत्म हुए, पेट्रोल-डीजल पर 78 की बढ़ोतरी कर दी गई। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि यह बढ़ोतरी आगे भी जारी रह सकती है।

सलमान खान हुए गिरफ्तार, लगा ये सनसनीखेज आरोप

नई दिल्ली। उत्तराखंड एसटीएफ और गोवा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में देशभर में सक्रिय एक बड़े सेक्सटॉर्शन रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। दोनों एजेंसियों ने देहरादून से गैंग के कथित सरगना सलमान खान को गिरफ्तार किया है, जो पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहा था। आरोपी पर अमीर कारोबारियों को हनीट्रैप में फंसाकर करोड़ों रुपये की उगाही करने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, देहरादून के मांजरा क्षेत्र निवासी सलमान खान गोवा के मापुसा थाना क्षेत्र में दर्ज ब्लैकमेलिंग और सेक्सटॉर्शन के कई मामलों में वांछित था। लंबे समय से उसकी तलाश की जा रही थी। आखिरकार एसटीएफ ने उसे नेहरू कॉलोनी इलाके से गिरफ्तार कर गोवा पुलिस के हवाले कर दिया। जांच में सामने आया है कि यह गैंग बेहद सुनियोजित तरीके से काम करता था। गिरोह की महिला सदस्य सोशल मीडिया के जरिए बड़े उद्योगपतियों और संपन्न कारोबारियों से संपर्क करती थीं। दोस्ती और नजदीकियां बढ़ाने के बाद उन्हें गोवा के आलीशान विला या फ़ाइन स्टार होटल में मिलाने के लिए बुलाया जाता था।

अवैध संबंध से रोका तो पलैट में घुसकर की पति-पत्नी समेत 3 की बेरहमी से हत्या

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत जिले के कुंडली थाना क्षेत्र में देर रात ट्रिपल मर्डर की सनसनीखेज वारदात सामने आई। टीडीआई कुंडली स्थित बीपीएल प्लैट्स में एक व्यक्ति ने पति-पत्नी समेत तीन लोगों को तेजधार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। मृतकों की पहचान विजय और उसकी पत्नी सुनीता निवासी कोट मोहल्ला, सोनीपत तथा स्वाति निवासी गांव बडोली के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दोनों पर तेजधार हथियार और भारी वस्तु से हमला किया गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

साय कैबिनेट बैठक

जीएडी के अधीन होगा कर्मचारी चयन मंडल..

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित महानदी भवन मंत्रालय में कैबिनेट बैठक हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। कर्मचारी चयन मंडल अब सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के अधीन होगा। डामर के दाम बढ़ने के कारण अनुबंधित ठेकेदारों को क्षतिपूर्ति राशि दी जाएगी। मंत्रिपरिषद ने राज्य के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों, मंडलों और स्थानीय निकायों में जमा स्कैप और अनुपयोगी सामग्रियों के पारदर्शी एवं व्यवस्थित निस्तारण के लिए भारत सरकार के उपक्रम मेटल स्कैप ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (स्क्वैज) के साथ सेलिंग एजेंसी अनुबंध की अवधि को आगामी तीन वर्षों के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह अनुबंध नवंबर 2019 से प्रभावी है तथा 31 मई 2026 को समाप्त हो रहा था। स्क्वैज के अत्याधुनिक ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से देशभर के खरीदार प्रतिस्पर्धी बोली लगाकर स्कैप सामग्री खरीद सकते हैं, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और राज्य को बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। इस व्यवस्था से राज्य में स्कैप निस्तारण की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित, तकनीक आधारित और राजस्वोन्मुख हुई है। इस निर्णय से विभागों को अलग-अलग निविदा और विज्ञापन प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी। प्रशासनिक समय और संसाधनों की बचत होगी। साथ ही कार्यालय परिसरों में स्वच्छता और स्थान प्रबंधन भी बेहतर होगा। मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल को सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके लिए छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल अधिनियम, 2026 लागू होने के



पीएम मोदी के नेतृत्व में सेवा,सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के ‘प्रधान सेवक’ के रूप में राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित सप्ताह 12 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी, निर्णायक और जनकेंद्रित नेतृत्व में भारत ने सेवा, सुरक्षा, आत्मविश्वास और विकास के नए युग में प्रवेश किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शासन की सोच और कार्यशैली को बदलते हुए सेवा, सुशासन और अत्योदय की भावना को केंद्र में रखा तथा यह सुनिश्चित किया कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, महिला, युवा, वंचित और जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का जो संकल्प प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लिया, वह आज देश के कोने-कोने में दिखाई देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मविश्वास, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मजबूत अर्थव्यवस्था, आधुनिक अघोसरंचना, डिजिटल क्रांति, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समावेशन की दिशा में देश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विकसित भारत /2047 का संकल्प आज जनभागीदारी और विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के संदर्भ में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है।

बाद पूर्व के छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल का विलय नए कर्मचारी चयन मण्डल में हो चुका है। साथ ही उसकी सभी परिसंपत्तियां एवं देनदारियां भी नए मण्डल में शामिल हो गई हैं। राज्य मंत्रिपरिषद ने सड़क निर्माण कार्यों में 01 अप्रैल 2026 के पश्चात बिटुमिन (डामर) की कीमतों में हुई असाधारण और अप्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए राज्य के ित और निर्माण कार्यों में निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से 01 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 की अवधि के लिए अनुबंधित ठेकेदारों को सीमित

एवं आंशिक मूल्य राहत (क्षतिपूर्ति) प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह राहत केवल बिटुमिन मूल्य में हुई असाधारण वृद्धि के प्रभाव को कम करने के लिए निर्धारित फ़र्मूले के आधार पर दी जाएगी। अन्य निर्माण घटकों पर अनुबंध में पूर्व से प्रावधानित एस्केलेशन नियम यथावत लागू रहेंगे। वैश्विक परिस्थितियों और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के कारण डामरीकरण कार्य प्रभावित होने लगे थे, जिससे सड़क निर्माण और संभारण कार्यों की गति बाधित होने की आशंका थी।

रोहिंग्याओं को निकालने की तैयारियां तेज, डिपोर्ट करने के लिए बनेंगे होलिडिंग सेंटर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया तेज करने के लिए विशेष होलिडिंग सेंटर स्थापित करने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश भेजे गए हैं और जल्द उपयुक्त स्थान चिन्हित कर कार्रवाई शुरू करने को कहा गया है। प्रशासन का मुख्य फोकस सीमावर्ती जिलों और उन संवेदनशील इलाकों पर रहेगा, जहां अवैध प्रवासियों के रहने की आशंका अधिक है।

सिम्स में इलाज के दौरान तोड़ा दम

छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा का निधन.....

बिलासपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा की कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई है। उन्हें बिलासपुर सिम्स में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक, रूपनारायण सिन्हा बिलासपुर में बीजेपी के दो दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यक्रम में शामिल हुए थे और वे प्रशिक्षण महाअभियान के प्रभारी थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और कार्डियक अरेस्ट आने पर उन्हें सिम्स ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह



ने छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने शोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री रूपनारायण सिन्हा जी के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। भगवान श्री विष्णु पुण्यात्मा को श्रोधाम में

स्थान तथा शोकाकुल परिजनों और समर्थकों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। शांति। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता धरमलाल कौशिक ने रूपनारायण सिन्हा के निधन को भाजपा के लिए बड़ी क्षति बताया है। धरमलाल कौशिक ने कहा कि उन्होंने भाजपा के विभिन्न पदों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई थीं। इधर रूपनारायण सिन्हा के निधन के बाद बीजेपी का पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान स्थगित कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, तिफा के झुलेलाल मंगलम में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होना था, जिसे अब स्थगित कर दिया गया है।

राम रहीम पर उठे बड़े सवाल

20 साल की सजा,फिर भी बार-बार पैरोल.....!

नई दिल्ली। साध्वी यौन शोषण मामले में 20 साल की सजा काट रहे डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह को एक बार फिर से पैरोल मिली है। इस बार वह 30 दिन के पैरोल पर बाहर आया है। आज सुबह 6: 30 बजे वह कड़ी सुरक्षा के बीच जेल से बाहर आया। पैरोल पर बाहर आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। डेरा के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। इसके पहले 5 जनवरी, 2026 को भी 40 दिन की पैरोल मिल चुकी है। इस साल यह उसकी दूसरी पैरोल है। इसके पहले 15 बार



पैरोल मिल चुकी है। यह 16वीं पैरोल है। इसके पहले डेरा प्रमुख छत्रपति हत्याकांड और रणजीत हत्याकांड में अदालत से बरी हो चुका है। इसी साल सात मार्च को को ही पंजाब और हरियाणा हाइकोर्ट द्वारा छत्रपति हत्याकांड गुरमीत को बरी किया गया था।

करीबी नेताओं के साथ कर रहे बड़ी बैठक

सिद्धारमैया सीएम पद से देंगे इस्तीफा,डीके बनेंगे सीएम...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक कांग्रेस में सत्ता साझेदारी को लेकर लगातार अटकलें लगाई जाती रही हैं। वहीं अब इंडिया टुडे ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि कर्नाटक से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सीएम पद से इस्तीफा देने की तैयारी में हैं। हालांकि, अब तक राज्यसभा को लेकर सिद्धारमैया की सहमति नहीं मानी जा रही है। इस समय सिद्धारमैया अपने करीबी मंत्रियों के साथ अहम बैठक कर रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि सिद्धारमैया से मुख्यमंत्री पद छोड़ने



के लिए कहा गया था। कांग्रेस हाईकमान ने उनको सीएम पद के बदले राज्यसभा भेजने की बात कही और दिल्ली में बड़ी जिम्मेदारी देने का आश्वासन भी दिया गया। वहीं अब डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की बात

निकलकर सामने आ रही है। गौरतलब है कि मंगलवार को हुई मीटिंग के बाद केसी वेणुगोपाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज की बैठक में राज्यसभा चुनाव और एमएलसी चुनाव पर चर्चा हुई। वेणुगोपाल ने आगे कहा कि लोग जो अटकलें लगा रहे हैं, उसमें कोई सच्चाई नहीं है। कांग्रेस पार्टी के अंदर चर्चा है कि कर्नाटक में सत्ता संतुलन बनाए रखने के लिए यह ट्रांजिशन प्लान बनाया गया है। इस प्लान के तहत सरकार में बदलाव भी होगा। साथ ही संगठन और सरकार के बीच संतुलन साधने की कोशिश भी शामिल है।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

डबल डेकर एसी बस पलटी,दरोगा और कैदी समेत 6 की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली से बिहार जा रही एक तेज रफ्तार डबल डेकर एसी बस मंगलवार सुबह उन्नाव के पास लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में एक दरोगा और एक कैदी समेत 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 15 अन्य यात्री घायल हुए हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में मंगलवार तड़के एक हृदयविदारक सड़क हादसा हुआ। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर यात्रियों से भारी एक डबल डेकर एसी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। यह दुर्घटना औरास थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 262 के पास सुबह करीब 5 बजे हुई। हादसे के समय बस में करीब 30 यात्री सवार थे, जिनमें से अधिकांश गहरी नींद में थे। पुलिस की शुरुआती जांच और

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की रफ्तार काफी तेज थी। चालक को अचानक नींद की झपकी आने के कारण उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई और रेलिंग पर लटक गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई यात्री खिड़कियों से सीधे एक्सप्रेसवे के नीचे जा गिरे। इस दौरान एक यात्री का पैर कटकर शरीर से अलग हो गया। इस भीषण हादसे में पांच लोगों की जान चली गई है। मृतकों में बिहार के सीवान पुलिस लाइन में तैनात दरोगा रामचंद्र राम (59) और गुरग्राम निवासी कैदी छत्रपाल सिंह तोमर (59) की पहचान हुई है। जानकारी के मुताबिक, सीवान पुलिस की टीम 24 मई को कैदी को गुरग्राम कोर्ट में पेशी के लिए लेकर गई थी और वापस बिहार लौटते समय यह हादसा हुआ। अन्य तीन



मृतकों की पहचान के प्रयास अभी जारी हैं। डीएम घनश्याम मीणा ने बताया कि अभी तक कुल 6 लोगों की मौत हुई है। पांच की तो घटनास्थल पर ही हो गई थी और एक की मौत इलाज के दौरान हुई है। घायलों में चार लोगों को मेडिकल

कॉलेज लखनऊ भेज दिया गया है। मृतकों के परिजनों को सूचित किया गया है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस ने क्रेन बुलाकर बस को रास्ते से हटवाया

पन्ना के अजयगढ़ जनपद क्षेत्र में बड़ा हादसा, कुएं में दबे 5 मजदूर, दो की मौत

पन्ना जिले के अजयगढ़ जनपद क्षेत्र में कुएं की खुदाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। काम के दौरान अचानक मिट्टी धंसने से करीब पांच मजदूर दब गए। सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और पोकलेन मशीनों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। अब तक दो मजदूरों के शव बाहर निकाले जा चुके हैं। बता दें कि, यह घटना अजयगढ़ थाना क्षेत्र के बौरहपुरवा गांव की बताई जा रही है। रेस्क्यू अभियान अभी भी जारी है। बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला मंगलवाल यानी आज सुबह 11 बजे करीब का है। जब अचानक से मिट्टी धंसने से पूरा दानाक्रम बदल गया। जानकारी के मुताबिक, मध्य प्रदेश के पन्ना में हुए इस हादसे में बिन्नु अहिरवार के खेत में पिछले लगभग 10 दिनों से सात मजदूर कुएं की खुदाई में जुटे थे। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे अचानक कुएं के ऊपर की मिट्टी भरभराकर गिर गई। हादसे के समय दो मजदूर पानी पीने के लिए बाहर निकल आए थे, जबकि पांच मजदूर कुएं के अंदर काम कर रहे थे। अचानक जमीन धंसने से सभी मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में दबे मजदूरों में चुरू यादव, राजकुमार यादव, आशीष यादव और नुनवाव पाल के नाम सामने आए हैं। रेस्क्यू टीम ने अब तक राजकुमार यादव और एक अन्य का शव बाहर निकाल लिया है, जबकि तीन मजदूरों की तलाश में राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। घटना स्थल पर पुलिस, राजस्व विभाग की टीमों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद हैं।



संपादकीय

अब भारत और इटली के बीच दुर्लभ खनिजों के मुद्दे पर हुए समझौते के अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर जो सहमति बनी है, उससे उम्मीद बंधी है कि दोनों देशों के संबंधों को एक नया आयाम मिलेगा।इस दौर में वैश्विक स्तर पर कई तरह की नई चुनौतियाँ खड़ी हो रही हैं। ऐसे में भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक अहम अध्याय के रूप में देखा जा सकता है। दरअसल, दोनों देशों ने वर्ष 2029 तक अपने बीच होने वाले व्यापार

को नई ऊंचाई देने का एक महत्वपूर्ण संकल्प लिया है।यों कुछ समय पहले भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते ने एक नई जमीन रची थी, लेकिन अब भारत और इटली के बीच दुर्लभ खनिजों के मुद्दे पर हुए समझौते के अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर जो सहमति बनी है, उससे उम्मीक बंधी है कि दोनों देशों के संबंधों को एक नया आयाम मिलेगा।इसके अलावा रणनीतिक साझेदारी पर भी अहम समझौतों के साथ रक्षा, व्यापार और

नवाचार से लेकर अन्य कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के कदम बढ़ते दिख रहे हैं। मगर यह धरातल पर कितना उतरेगा, अभी कहना मुश्किल है। उम्मीद की जा रही है कि वैश्विक स्तर पर बदलते समीकरणों के बीच रखा तथा आर्थिक संबंध और समुद्री परिवहन में सहयोग बढ़ाने का संकल्प द्विपक्षीय संबंधों को नया विस्तार देगा। खासतौर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर जो समझौते हुए हैं, वे भविष्य में हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से बेहद

महत्वपूर्ण हैं। अगर ये जमीन पर उतरते हैं, तो इसे एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि माना जाएगा, जो शायद दोनों देशों के संबंधों को एक नए स्तर पर आगे ले जाए। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर सहयोग करने की प्रतिबद्धता से भी स्पष्ट है कि साझेदारी का दायरा बढ़ा है। गौरतलब है कि इटली, यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।रणनीतिक साझेदारी कई स्तरों पर बढ़ने जा रही है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विभिन्न क्षेत्रों में

सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा बनेगी और दोनों देश संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना की समीक्षा करेंगे। आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए साझा प्रयास करने पर दोनों देशों के बीच बनी सहमति वक की जरूरत है। हालांकि, फिलहाल संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि दोनों देश इसे व्यावहारिक स्तर पर कितना और कैसे लागू करते हैं।भारत और इटली के संबंध अब एक निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं।

हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तेजी से विस्तार हुआ है। ये संबंध अब केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के साझा दृष्टिकोण पर आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं। ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया की व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, इटली और भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक एवं संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है।

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया।

तपती धरती, झुलसता जीवन-जनता के समक्ष हीटवेव की चुनौती

गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्टी बन जाते हैं। गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेट गैसें



अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है-गर्मी बढ़ती है, ऐसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और

हीटवेव को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख विषय के रूप में स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। सबसे पहले शहरों में हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। प्रत्येक शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने, जल संरक्षण, छायादार मार्ग, सार्वजनिक प्याऊ और शीतलन केंद्रों की व्यवस्था आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों के समय निर्धारण में क्षेत्रीय तापमान को ध्यान में रखा जाना चाहिए। तीखी दोपहर में श्रमिकों के लिए कार्यावधि सीमित की जाए और उनके लिए विश्राम तथा पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य हो।

सरकार को भवन निर्माण नीति में भी परिवर्तन लाना होगा। पारंपरिक भारतीय वास्तुकला-हवादार घर, आंगन, मिट्टी आधारित निर्माण, हरित छतें और प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ावा

देना चाहिए। कांच की चमचमती इमारतों और ऊष्मा अवशोषित करने वाले निर्माणों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। कूल रूपतकनीक, वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा आधारित शीतलन प्रणाली को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वन संरक्षण और वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनना चाहिए। शहरों में माइक्रो फॉरेस्ट, पार्क और हरित गलियारों का निर्माण किया जाए। जल निकायों और पारंपरिक तालाबों को पुनर्जीवित किया जाए क्योंकि वे स्थानीय तापमान नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल सरकारें यह लड़ाई नहीं जीत सकतीं। आम जनता को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। हमें उपभोगवादी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। पानी का संयमित उपयोग, ऊर्जा की बचत, वृक्षारोपण, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण अब व्यक्तिगत विकल्प नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी हैं।

भारतीय समाज में कभी सार्वजनिक प्याऊ, छायादार विश्राम स्थल और जल सेवा की समृद्ध परंपरा थी। गर्मियों में राहगीरों के लिए जल की व्यवस्था पुण्य कार्य माना जाता था। आज उस परंपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। समाज, धार्मिक संस्थाएं और स्वयंसेवी संगठन मिलकर जल सेवा और राहत कार्यों का अभियान चला सकते हैं। गर्मी और जल संकट को राजनीति का विषय बनाने के बजाय सहयोग और समाधान का विषय बनाना होगा। जल विवादों और संसाधनों पर स्वार्थपूर्ण राजनीति भविष्य को और कठिन बनाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूलन को राष्ट्रीय सहमति का विषय बनाया जाए।

वर्ष 2026 की यह झुलसाती गर्मी हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने अभी भी प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित नहीं किया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और विकराल होगी। पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, जैव विविधता नष्ट होगी, खाद्य संकट गहराएगा और मानव जीवन अधिक कठिन हो जाएगा। यह समय प्रकृति से संघर्ष का नहीं, उसके साथ सामंजस्य का है। हमें विकास की ऐसी दिशा चुननी होगी जिसमें पर्यावरण, मानव जीवन और भविष्य सुरक्षित रह सके। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब सूरज की तपिश केवल असुविधा नहीं, अस्तित्व का संकट बन जाएगी।लेखक,पत्रकार एवं स्तंभकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अवैध बस्तियों पर बुलडोजर से पहले जवाबदेही क्यों नहीं? शहरों के फैलते संकट पर बड़ा सवाल

(प्रवीण प्रवाह)

पिछले कुछ वर्षों में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर आशियाना बना लेने का चलन बढ़ा है। आज यह एक गंभीर समस्या के रूप में सामने है। महानगरों से लेकर छोटे शहर तक, कोई भी इससे अछूता नहीं है। इसका मुख्य कारण रोजगार की तलाश में गांवों से शहरों की ओर पलायन है। शहरों में ढांचागत सुविधाएं सीमित और महंगी हैं, जबकि उनकी आबादी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में गरीब परिवारों के सामने आवास का संकट होता है और वे खाली पड़ी सरकारी जमीन पर पहले अपना आस्थायी आशियाना बनाते हैं और बाद में कुछ लोग वहां स्थायी ढांचा या पक्का मकान बना लेते हैं। राज्य सरकारों की ओर से ऐसी बस्तियों को हटाने के लिए समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं, जिनका व्यापक स्तर पर विरोध भी होता है। कई बार ऐसे मामले अदालत तक पहुंच जाते हैं। सवाल है कि इस तरह की बस्तियों को बसने ही क्यों दिया जाता है, जिन्हें बाद में हटाने के लिए सरकारी मशीनरी का उपयोग करना पड़ता है। इससे न केवल सरकारी कोष पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है, बल्कि बेदखल किए गए परिवारों के सामने भी कई तरह की चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं।

हाल के दिनों में दिल्ली, मेरठ, हल्द्वानी, कानपुर सहित देशभर के अनेक शहरों में अतिक्रमण कर बनाए गए आशियानों को हटाने से जुड़ी घटनाएं सामने आईं हैं। उत्तराखंड के हल्द्वानी रेलवे भूमि प्रकरण में प्रदेश उच्च न्यायालय ने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने रोक लगाते हुए इसे ‘मानवीय मुद्दा’ माना और कहा कि हजारों लोगों को एक झटके में बेघर नहीं किया जा सकता। हालांकि, बाद में शीर्ष सरकार को प्रभावित परिवारों के पुनर्वास दे रही है कि यदि हमने अभी भी प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित नहीं किया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और विकराल होगी। पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, जैव विविधता नष्ट होगी, खाद्य संकट गहराएगा और मानव जीवन अधिक कठिन हो जाएगा। यह समय प्रकृति से संघर्ष का नहीं, उसके साथ सामंजस्य का है। हमें विकास की ऐसी दिशा चुननी होगी जिसमें पर्यावरण, मानव जीवन और भविष्य सुरक्षित रह सके। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब सूरज की तपिश केवल असुविधा नहीं, अस्तित्व का संकट बन जाएगी।लेखक,पत्रकार एवं स्तंभकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यह आश्चर्यजनक है कि इन बस्तियों में मकानों को बिजली-पानी के कनेक्शन दिए जाते हैं और इनसे नियमित रूप से गुजर कर भी वसूला जाता है। कई लोग अपनी जीवनभर की कमाई लगाकर यहां अपने लिए घर खरीदते हैं। सबसे बड़ा

प्रश्न यही है कि जब यह सब हो रहा होता है, तब प्रशासन कोई कदम क्यों नहीं उठाता? यदि मकानों का निर्माण अवैध तरीके से किया जाता है, तो प्रारंभिक स्तर पर ही इन्हें क्यों नहीं रोका जाता? क्या यह केवल नागरिकों की भूल है, या फिर प्रशासनिक लापरवाही? स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब वर्षों बाद अचानक इन बस्तियों को अवैध घोषित कर ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी जाती है। बुलडोजर जब चलता है, तो में केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं गिरता, बल्कि यह उन परिवारों के सपनों, सुरक्षा और भविष्य को भी कुचल देता है, जिन्होंने वहां अपना बसेरा बनाकर नई जिंदगी की शुरुआत की थी।

यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या एक सामान्य नागरिक से यह अपेक्षा की जा सकती है कि वह वर्षों पुराने भूमि अभिलेखों की गहराई से जांच करे? अगर वह ऐसा नहीं कर पाता, तो क्या वह अपराधी बन जाता है? या फिर असली दोषी वे लोग हैं, जिन्होंने इस पूरे तंत्र को संचालित किया यानी माफिया, दलाल और वे अधिकारी, जिन्होंने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया? न्याय केवल यह कह देने तक सीमित नहीं होना चाहिए कि अवैध निर्माण हटया जाए। न्याय का वास्तविक उद्देश्य यह भी होना चाहिए कि इस बात पर गौर किया जाए कि अवैध निर्माण किसकी लापरवाही से हुआ। बिना जवाबदेही तय किए केवल कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं है।

एक मूलभूत प्रश्न यह भी है कि क्या सरकार अपनी भूमि और सड़कों की चौड़ाई का नियमित संरक्षण एवं चिह्नंकन नहीं कर सकती? जब देश में जनगणना जैसे व्यापक कार्य संभव हैं, तो क्या समय-समय पर सार्वजनिक भूमि का भौतिक सत्यापन नहीं हो सकता? यदि कोई परिवार लंबे समय से किसी सरकारी भूखंड पर निवास कर रहा है और उसके पास आधार, पैन एवं मतदाता पहचान पत्र जैसे प्रमाण हैं, तो यह व्यवस्था की विफलता है। ऐसे लोगों के लिए तत्काल पुनर्वास या आर्थिक सहायता की व्यवस्था होनी चाहिए। दूसरा, उन व्यक्तियों और अधिकारियों से भी मुआवजा वसूला जाना चाहिए, जिन्होंने इस अव्यवस्था को जन्म दिया। भू एवं राजस्व विभाग में हर स्तर पर इस समस्या पर गंभीरता से विचार किए जाने की जरूरत है और प्रशासनिक सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। इस समस्या की जड़ का एक पहलू यह है कि अधिकारियों के स्थानांतरण के साथ जिम्मेदारी भी धुंधली पड़ जाती है।

जन अपेक्षाओं पर खरे उतरने की एक मुख्यमंत्री की सकारात्मक पहल

समूचा उत्तरी भारतभीषण गर्मी की चपेट में चल रहा है तो दूसरी और ना तो राजस्थान में कोई आसन्न विधानसभा या लोकसभा के चुनाव हैं और ना ही कोई ऐसी आपात् स्थिति जिसमें जनता से सीधा संवाद कायम करना आवश्यक हो, ऐसी स्थिति में ही एक संवेदनशील मुख्यमंत्री के नाते राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गावों में चौपाल आयोजित कर सीधे ग्रामीणों से रुबरु हो रहे हैं, यह वास्तव में जननेता की पहचान व उसकी आमजन के प्रति सोच का परिणाम है। 40 डिग्री से अधिक के तापमान में मुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल और फिर रात्रि विश्राम आज के सुविधाभोगी युग में लगभग असंभव लग रहा है पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस लपलपाती गर्मी में गांवों में रात्रि चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद कायम कर रहे हैं। 5 मई से 16 मई तक राजधानी जयपुर ही नहीं अपितु दूरदराज के इलाकों के गांवों में पांच चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों से सीधा संवाद कायम करने के साथ ही रात को उसी गांव के सरकारी

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)
राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यह पहल सीधा ग्रामीणों से रुबर होने का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ही माने तो इससे गांवों की समस्याओं से रुबर होने का अवसर मिलता है तो आवश्यक निर्देश मौके पर ही जारी होने से समस्याओं का समाधान भी मौके पर ही हो पाता है। समूचा उत्तरी भारत भीषण गर्मी की चपेट में चल रहा है तो दूसरी और ना तो राजस्थान में कोई आसन्न विधानसभा या लोकसभा के चुनाव हैं और ना ही कोई ऐसी आपात् स्थिति जिसमें जनता से सीधा संवाद कायम करना आवश्यक हो, ऐसी स्थिति में ही एक संवेदनशील मुख्यमंत्री के नाते राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गांवों में रात्रि चौपाल आयोजित कर सीधे ग्रामीणों से रुबर हो रहे हैं, यह वास्तव में जननेता की पहचान व उसकी आमजन के प्रति सोच का परिणाम है। 40 डिग्री से अधिक के तापमान में मुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल और फिर रात्रि विश्राम आज के सुविधाभोगी युग में लगभग असंभव लग रहा है पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस लपलपाती गर्मी में गांवों में रात्रि चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद कायम कर रहे हैं। 5 मई से 16 मई तक राजधानी जयपुर ही नहीं अपितु दूरदराज के इलाकों के गांवों में पांच चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों से सीधा संवाद कायम करने के साथ ही रात को उसी गांव के सरकारी

स्कूल में रात्रि विश्राम और फिर सुबह गांव में ही प्रातःकालीन भ्रमण के माध्यम से गांववासियों से आत्मीय संवाद कायम कर रहे हैं। मई माह में मुख्यमंत्री 5 से 16 मई के दौरान प्रतापगढ़ के बम्बोरी, सौरकर के जाजोर, अजमेर के पुष्कर के पास कड़ेल, जालौर के पंसेरी और जयपुर के ठिकरिया में ग्राम विकास चौपाल में ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे रुबर हो चुके हैं। 20 मई को बांसवाड़ा के चुड़वा और 21 मई को धुम्बाला को ग्रामीण चौपाल और गांव की सरकारी स्कूल में रात्रि विश्राम कर रहे हैं। यह गांव कोई राजधानी जयपुर के पास के नहीं है अपितु प्रदेश के दूरदराज के गांव है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समय निकाल कर इन गांवों में रात्रि चौपाल में ग्रामवासियों की परिवेदनाओं को सुनते हैं, यथा सभव मौके पर ही समाधान करने का प्रयास करते हैं और रात्रि को भोजन भी गांव के ही किसी ग्रामवासी के घर बिना किसी तामझाम के करते हुए देखा जा सकता है। इसके साथ ही खासबात यह है कि इस भीषण गर्मी के दौर में गांव के स्कूल में ही रात्रि को विश्राम करने के साथ ही प्रातःकालीन भ्रमण के दौरान गांववासियों से अपनत्व के साथ मेलमिलाप कर रहे हैं। यह धरातलीय हालातों को समझने, लोगों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं की जानकारी लेने, स्थानीय समस्याओं को समझने और उनके निराकरण का बेहतरीन माध्यम होने के साथ ही मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामवासियों में जिस

तरह का संदेश जाता है उसे हम भलीभांति समझ सकते हैं। क्योंकि आज के हालातों में मुख्यमंत्री तो दूर की बात जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मिलना भी इतना आसान नहीं होता। फिर सबसे बड़ी बात यह कि मुख्यमंत्री मतलब सरकार आपके बीच आती है तो फिर उसके परिणाम निश्चित रूप से सकारात्मक होते हैं और धरातलीय हालातों को समझने का बेहतर अवसर आसानी से मिल जाता है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यह पहल सीधा ग्रामीणों से रुबर होने का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ही माने तो इससे गांवों की समस्याओं से रुबर होने का अवसर मिलता है तो आवश्यक निर्देश मौके पर ही जारी होने से समस्याओं का समाधान भी मौके पर ही हो पाता है। इसके माध्यम से सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के साथ ही स्थानीय समस्याओं यथा पानी, बिजली, स्कूल, स्वास्थ्य, सड़क और इसी तरह की सुविधाओं के धरातल पर हालात को समझने का अवसर मिल जाता है। मौके पर ही समस्याओं के समाधान को इस तरह से भी समझा जा सकता है कि सड़क के जाजोद गांव में ग्रामीण चौपाल के दौरान छात्रों की मांग पर एक रात में विद्यालय में विज्ञान संकाय खेलने के आदेश जारी हो गए। यही नहीं अजमेर के कड़ेल गांव में ग्रामीणों से चर्चा के दौरान सामने आया तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र में क्रमोन्नयन के आदेश मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्काल जारी हो गए। यह तो उदाहरण मात्र है पर इससे साफ संदेश जाता है कि ग्रामीण विकास चौपाल कोई दिखावा या औपचारिकता ना होकर ग्रामीणों व आमजन को सीधे राहत पहुंचाने वाली पहल है। निश्चित रूप से यह साराहनीय पहल मानी जानी चाहिए।

एक खास बात यह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यात्रा में जहां काफिले को सीमित किया गया हैं वहीं दौरो के दौरान ईवी वाहन का उपयोग कर ईंधन बचत पर जोर दिया जा रहा सरकारी स्कूल में ही रात्रि विश्राम से गांववासियों और आमजन में एक अपनेपन का संदेश जा रहा है। लगता है जैसे मुख्यमंत्री अपनेो के बीच अपनेपन के साथ मिल रहे हैं, अपनी बात कह रहे हैं, उनकी बात सुन रहे हैं और आवश्यकता के अनुसार समाधान भी कर रहे हैं। इसके साथ ही स्थानीय सरकारी मशीनरी मुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल को देखते हुए एक्टिव मोड पर आ जाती है और इसका परिणाम यह होता है कि बहुत सी समस्याओं का समाधान तो मुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल से पहले ही हो जाता है। मुख्यमंत्री के दौरे और फिर रात्रि चौपाल की हो तो फिर किसी एक विभाग तक बात सीमित ना रहकर सभी आधारभूत सुविधाओं और समस्याओं के समाधान की हो जाती है और निश्चित रूप से समस्याओं का समाधान होता भी है। इस सबसे अलग ग्राम विकास चौपाल के माध्यम से मुख्यमंत्री और सरकार को लोगों की

भावनाओं, क्षेत्र विशेष की समस्याओं, आवश्यकताओं को समझने का अवसर मिलता है वहीं स्थानीय प्रशासन, कानून व्यवस्था आदि का भी चर्चा से फीड बैक मिल जाता है। यह तो सभी जानते हैं कि सभी गांवों में मुख्यमंत्री की ग्रामीण चौपाल नहीं हो सकती पर ग्रामीण चौपाल के माध्यम से संवेदनशील सरकार का संदेश आमजन में जा रहा है। सबसे बड़ी बात यह कि विकसित राजस्थान का सपना पूरा करने में यह ग्रामीण विकास चौपाल अहम् भूमिका निभाएगी ही साथ ही सरकार की भावी योजनाएं करते समय फील्ड का यह व्यावहारिक अनुभव निश्चित रूप से कागजी नहीं रह पायेगा और इससे व्यावहारिक योजनाएं बनने के साथ ही विकास को नई गति मिल सकेगी। यह साफ हो जाना चाहिए कि यह किसी मुख्यमंत्री या राजनेता के महिमा मंडन का प्रयास ना होकर एक राजनेता से आमजन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने व आमजन के प्रति सीधे संवाद और जनभावना को समझने का बेहतरीन प्रयास माना जाना चाहिए। आज आमजन अपने जनप्रतिनिधि व मुख्यमंत्री से यही अपेक्षा रखती है कि वहां तक आमजन की सहज पहुंच हो सके। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इस पहल की सराहना की जानी चाहिए और संभव हो तो अन्य प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों व जनप्रतिनिधियों को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

मोटोरोला भारत के टॉप 5 स्मार्टफोन ब्रांड्स में शामिल, प्रीमियम पोर्टफोलियो विस्तार, एआई नवाचार और आकर्षक डिजाइन से अपनी ग्रोथ को मजबूती दी

मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में ग्लोबल लीडर मोटोरोला, जिसे टेक्नोलॉजी रिसर्च फर्म टेकआर्क ने भारत का अग्रणी एआई स्मार्टफोन ब्रांड माना है, ने देश में अपनी मजबूत वास्तव गति जारी रखी है। आईडीसी क्रांटली मोबाइल फोन ट्रैकर की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 की पहली तिमाही में मोटोरोला टॉप 5 स्मार्टफोन ब्रांड्स में शामिल हो गया है। 2024 की पहली तिमाही में 9वें स्थान से 2026 की पहली तिमाही में 5वें स्थान तक पहुंचकर मोटोरोला ने पिछले दो वर्षों में भारतीय स्मार्टफोन उद्योग में सबसे मजबूत ग्रोथ में से एक दर्ज की है। इस दौरान कंपनी का मार्केट शेयर 4.6 प्रतिशत से बढ़कर 8.9 प्रतिशत हो गया है। यह उल्लेखनीय बढ़त सार्थक इनोवेशन, अलग डिजाइन, प्रीमियम अनुभव और सभी सेगमेंट में उपभोक्ता-केंद्रित रणनीति के कारण संभव हुई है। मोटोरोला की लगातार बढ़ती रफ्तार के पीछे उसका विस्तारित पोर्टफोलियो है, जिसमें moto g, motorola edge, razr और हाल ही में लॉन्च की गई motorola signature series शामिल हैं। पूरे पोर्टफेलियो में मोटोरोला ने असाधारण फॉर्म फैक्टर्स, नए रंग, मटेरियल्स और फ़िनिश, एडवांस्ड कैमरा सिस्टम, एआई-पावर्ड इमेजिंग, इमर्सिव डिस्प्ले टेक्नोलॉजी और अन्य जरूरी इनोवेशन पर लगातार ध्यान दिया है।

हाल ही में लॉन्च किया गया Motorola Razr Fold मोटोरोला की प्रीमियम इनोवेशन लीडरशिप को और मजबूत करता है। यह नेक्स्ट-जनरेशन फ्लेड्जबल टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड एआई क्षमताओं और DXOMARK गोल्ड लेबल से सम्मानित कैमरा सिस्टम को एक बेहतरीन फ्लैगशिप अनुभव में जोड़ता है। मोटोरोला की प्रीमियम पोजिशनिंग अब केवल टेक्नोलॉजी तक सीमित नहीं है, बल्कि लाइफ़स्टाइल-केंद्रित अनुभवों की ओर बढ़ रही है। इसमें डिजाइन, फ़ैशन और एंटरटेनमेंट में 'पेंटोन™', स्वारोस्की, बोस, कॉनिंग के साथ साझेदारी और फ़ीफ़ वर्ल्ड कप 2026™ का ऑफिशियल स्मार्टफ़ोन पार्टनर बनना शामिल है।

भारत में कंपनी की ग्रोथ को रितेल, ई-कॉमर्स और आफ्टर-सेल्स सर्विस नेटवर्क में मजबूत साझेदारियों ने भी सहारा दिया है, जिससे मोटोरोला विभिन्न बाजारों में उत्पादों की पहुंच, सर्विस अनुभव और दीर्घकालिक उपभोक्ता मूल्य को लगातार बेहतर बना रहा है।

मिंत्रा ई.ओ.आर.एस 29 मई से शुरू होगी, 6 मिलियन ट्रेंड-फर्स्ट फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल प्रोडक्ट मिलेंगे अब तक के सबसे आकर्षक मूल्य में

मिंत्रा ने भारत के ई-लाईफ़स्टाईल ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आज अपनी एंड ऑफ़ रीज़न सेल (ई.ओ.आर.एस) के 24वें एंडिशन की घोषणा की, जो 29 मई से शुरू होगा। इसमें अरली वी.आई.पी एक्सेस 28 मई से शुरू होगी। ई.ओ.आर.एस के इस एडिशन में 6 मिलियन से अधिक स्टाइल मिलेंगे, जो भारत में फैशन और लाईफ़स्टाईल ईकोसिस्टम के विकास में मिंत्रा की महत्वपूर्ण भूमिका को मजबूत करेंगे। इसमें जहाँ उभरते हुए ब्रांड्स को विस्तार करने का अवसर मिलेगा, वहीं देश के करोड़ों ग्राहकों को आकर्षक मूल्य में ट्रेंड-फ़र्स्ट सेलेक्शन और सुविधा प्राप्त होगी। ई.ओ.आर.एस में उभरते हुए ब्रांड्स को बढ़ावा मिलता रहेगा इस बार ई.ओ.आर.एस में हिस्सा लेने वाले हजारों ब्रांड्स में ग्लोबल, डोमेस्टिक और होमग्रोन डी2सी ब्रांड शामिल हैं। साथ ही, 15,000 उभरते हुए ब्रांड, जिनमें ई.ओ.आर.एस में पहली बार हिस्सा ले रहे 5,000 ब्रांड शामिल हैं, मिंत्रा प्लेटफ़ॉर्म की टेक्नोलॉजी, क्रिएटर ईकोसिस्टम और पूरे देश में पहुंच की मदद से भारत के करोड़ों ग्राहकों तक पहुंचेंगे। ई.ओ.आर.एस उनके विकास में मुख्य भूमिका निभाता रहेगा और उभरते हुए ब्रांड्स को ज्यादा विज़िबिलिटी, नए सेलेक्शन लॉन्च और कैटेगरी विस्तार के माध्यम से ज्यादा मांग आकर्षित करने में मदद करेगा। ये ब्रांड एंपरेल, फ़ुटवियर, एक्सेसरीज़ आदि में लगभग 13 लाख स्टाइल पेश करेंगे। इन ब्रांड्स को मिंत्रा की आधुनिक टेक्नोलॉजी द्वारा सर्च एवं शॉपिंग इनसाइट्स मिलेंगी, जिससे वो ट्रेंड्स और डिमांड पैटर्न को समझ पाएंगे। उन्हें सिंग्लीफ़ीड परफ़ॉर्मेंस डैशबोर्ड मिलेगा। साथ ही, एक समर्पित पार्टनर सपोर्ट टीम ब्रांड्स को मिंत्रा पर अपना ई-कॉमर्स व्यवसाय आगे बढ़ाने में मदद करेगी। ग्राहकों के लिए डेरों स्टाइल- इस बार ई.ओ.आर.एस में ग्राहकों को हजारों इंटरनेशनल, डोमेस्टिक और होमग्रोन ब्रांड्स के 6 मिलियन से अधिक स्टाइल उपलब्ध होंगे। वो फैशन, ब्यूटी और लाईफ़स्टाईल में अनेकों प्रोडक्ट खरीद सकेंगे। इस एंडिशन में मेन्स कैप्सुअल वियर, वीमेंस एथनिक वियर, वीमेंस वेस्टर्न वियर, वर्कवियर, स्पोर्ट्स फ़ुटवियर, एक्सेसरीज़ और ब्यूटी एवं पर्सनल केयर की काफी मात्रा होगी क्योंकि यह कलेक्शन गर्मियों के सीज़न, ट्रैवल, वर्क, कॉलेज, वैडिंग और होलिडे-स्टाइल अपग्रेड से प्रेरित होगा।

मरवाही-पेंड्रा के जंगलों में घूम रहे रहस्यमयी दुर्लभ सफेद भालू का आतंक

■ आमाडांड-बसंतपुर क्षेत्र में ग्रामीण पर हमला, गांवों में दहशतज् वन विभाग अलर्ट पर

बिलासपुर। मरवाही वनमंडल के घने जंगलों में इन दिनों एक दुर्लभ सफेद स्लॉथ भालू की मौजूदगी ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। खोडरी रेंज के आमाडांड, बसंतपुर, नकमान और मरवाहीङ्कुपेंड्रा क्षेत्र तक इस रहस्यमयी भालू की लगातार मुवमेट देखी जा रही है। कभी जंगलों में तो कभी आबादी के बीच अचानक नजर आ रहे इस सफेद भालू ने ग्रामीणों के बीच भय और कौतुहल दोनों पैदा कर दिया है। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब भालू ने एक ग्रामीण पर हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि वन विभाग ने हाई अलर्ट जारी करते हुए लोगों से जंगल की ओर नहीं जाने की अपील की है। बताया जा रहा है कि आमाडांड गांव के कुछ ग्रामीण किसी काम से जंगल की ओर गए थे। इसी

दौरान आमाडांड और बसंतपुर के बीच घने जंगल में उनका सामना अचानक सफेद भालू से हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्रामीण कुछ समझ पाते उससे पहले ही भालू ने आक्रामक होकर एक अंधेड़ ग्रामीण पर हमला कर दिया। हमले में ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के समय मौजूद अन्य ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए जोर-जोर से शोर मचाया और लाटियां पटकते हुए भालू को जंगल की ओर खदेड़ने में सफलता हासिल की। घायल ग्रामीण को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

गांव में घुसा सफेद भालू, तीन घरों तक पहुंचा आतंक

ग्रामीणों के मुताबिक यह दुर्लभ सफेद भालू केवल जंगलों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आबादी वाले क्षेत्रों में भी घुस आया। बताया जा रहा है कि भालू आमाडांड और बसंतपुर गांव के भीतर पहुंचकर तीन घरों



के आसपास घूमता देखा गया। मंगलवार सुबह करीब पांच बजे वह गांव के मुख्य चौक और बस स्टैंड के आसपास नजर आया, जिससे पूरे गांव में अफ़ा-तफ़्फ़ी मच गई। इसी दौरान स्कूल के सामने रहने वाले कैलाश कुमार कासीपुरी पर भी भालू ने हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि कैलाश सुबह शौच के लिए घर से बाहर निकले थे, तभी अचानक भालू ने उन पर हमला बोल दिया। हमले में उनके बाएं हाथ का पैर चोट आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भालू ने कई अन्य ग्रामीणों को भी

दौड़ाया। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। कई परिवारों ने सुबह होते ही अपने बच्चों को घरों से बाहर निकलने नहीं दिया। सोशल मीडिया में वायरल रहस्यमयी सफेद भालू

इलाके में सफेद भालू दिखाई देने की खबर जंगल की आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचने लगे। कई

नियम विरुद्ध खरीदी, बिना अनुमति भुगतान और अग्रिम वेतन आहरण का मामला

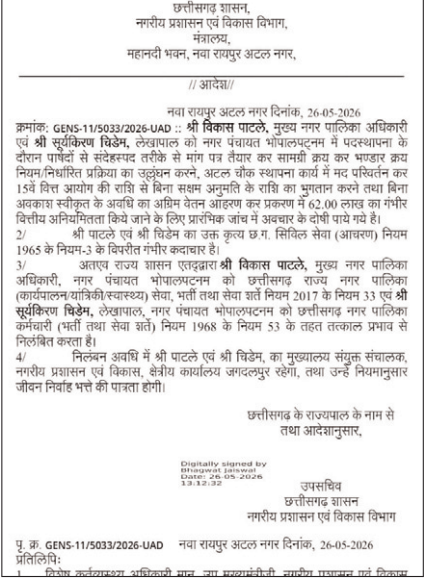
62 लाख की गड़बड़ी में भोपालपटनम नगर पंचायत के सीएमओ और लेखापाल सस्पेंड



मूक पत्रिका/बीजापुर/आशीष पदमवार। भोपालपटनम नगर पंचायत में सामने आए 62 लाख रुपए की वित्तीय गड़बड़ी मामले में राज्य शासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) विकास पाटले और लेखापाल सूर्यकिरण चिडेम को

तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा नवा रायपुर अटल नगर से जारी आदेश के बाद विभागीय हलकों में हड़कंप मच गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों अधिकारियों ने पदस्थापना के दौरान



पार्षदों से सांठागां कर संदेहास्पद तरीके से मांग पत्र तैयार किए और सामग्री खरीदी में भंडार क्रय नियमों व निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। जांच में यह भी पाया

गया कि अटल चौक निर्माण कार्य में मद परिवर्तन कर 15वें वित्त आयोग की राशि से बिना सक्षम अनुमति भुगतान किया गया।

मामले में बिना अवकाश स्वीकृति के अग्रिम वेतन आहरण का तथ्य भी सामने आया है। शासन के मुताबिक इन सभी मामलों में करीब 62 लाख रुपए की गंभीर वित्तीय अनियमितता पाई गई है। इसके बाद दोनों अधिकारियों को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए कार्रवाई की गई। राज्य शासन ने इसे छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-3 का उल्लंघन और गंभीर कदाचार माना है। इसी आधार पर विकास पाटले को छत्तीसगढ़ राज्य नगर पालिका सेवा भर्ती एवं सेवा शर्त नियम 2017 के नियम-33 तथा सूर्यकिरण चिडेम को नगर

पालिका कर्मचारी सेवा नियम 1968 के नियम-53 के तहत निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में दोनों अधिकारियों का मुख्यालय संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, क्षेत्रीय कार्यालय जगदलपुर निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। वहीं विभागीय कार्रवाई के तहत आरोप पत्र तैयार करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

- जांच में सामने आई बड़ी गड़बड़ियां**
- पार्षदों से सांठागांठ कर मांग पत्र तैयार करने का आरोप**
- सामग्री खरीदी में भंडार क्रय नियमों का उल्लंघन**
- अटल चौक निर्माण कार्य में मद परिवर्तन**
- 15वें वित्त आयोग की राशि से बिना अनुमति भुगतान**
- बिना छुट्टी स्वीकृति अग्रिम वेतन आहरण**

हत्या-लूट से साइबर क्राइम तक,गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही में अब मौके पर होगी वैज्ञानिक जांच

गौरेला। हत्या, लूट, सड़क हादसे और साइबर क्राइम की गुत्थियां अब लैब पहुंचने का इंतजार नहीं करगी, जीपीएम पुलिस को मिली 65 लाख रुपये की अत्याधुनिक मोबाइल फ़ॉरेंसिक वैन ने अपराध जांच की तस्वीर बदल दी है। जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के तत्वावधान में इस हाईटेक मोबाइल फ़ॉरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसके बाद अब घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने, प्रारंभिक जांच करने और अपराधियों तक तेजी से पहुंचने का रास्ता आसान हो गया है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अपराध अनुसंधान को आधुनिक तकनीक से मजबूत करने के उद्देश्य से

जिले को यह अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध कराई गई है। करीब 65 लाख रुपये की लागत से तैयार इस मोबाइल फ़ॉरेंसिक वैन में फ़िंगरप्रिंट जांच, रक्त नमूना परीक्षण, डिजिटल साक्ष्य संकलन, हाईटेक फ़ोटोग्राफी, जैविक नमूना संरक्षण और प्रारंभिक विश्लेषण के आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। सर्किट हाउस जीपीएम में आयोजित विशेष कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को घटनास्थल पर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाने, उन्हें सुरक्षित रखने और न्यायालय में उनकी वैधानिकता बनाए रखने का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन, जेएफ़एफ़सी पेंड्रारोड सु सीमा जगदल्ला, अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक अविनाश, जनप्रतिनिधि, अधिकता और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। विशेषज्ञों ने बताया कि घटनास्थल पर छोटी सी लापरवाही भी बड़े साक्ष्य खत्म कर सकती है, इसलिए वैज्ञानिक जांच बेहद जरूरी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह वैन हत्या, चोरी, डकैती, सड़क दुर्घटना और साइबर अपराध जैसे गंभीर मामलों में बड़ी भूमिका निभाएगी। अब पुलिस मौके पर ही साक्ष्य सुरक्षित कर तेज और मजबूत विवेचना कर सकेगी। फ़िल्हाल, जीपीएम पुलिस की यह नई वैज्ञानिक ताकत अपराधियों के लिए ख़तरे की घंटी और न्याय व्यवस्था के लिए बड़ी उम्मीद बनकर सामने आई है।

ट्रेनों, स्टेशनों एवं यादों में विशेष निगरानी....ज्वलनशील सामग्री एवं धूम्रपान पर कार्रवाई

बिलासपुर। गर्मी के मौसम में आगजनी की संभावित घटनाओं की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्री ट्रेनों, स्टेशनों तथा यादों में विशेष फ़ायर सेफ्टी ड्राइव चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत यात्री गाड़ियों, यादों में खड़ी स्टेबल रैक/कोचों तथा रेलवे परिसरों में व्यापक स्तर पर सघन जांच एवं निगरानी की जा रही है। अभियान के अंतर्गत पेन्ट्रीकार, स्टेबल रैक, पार्सल कार्यालयों एवं स्टेशन पार्किंग क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों एवं बल सदस्यों द्वारा नियमित जांच की जा रही है तथा यात्रियों को भी फ़ायर सेफ्टी के प्रति जागरूक किया जा रहा है। मंडल एवं जोनल मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी विभिन्न स्टेशनों एवं यादों का निरीक्षण कर स्टेबल रैक तथा यार्ड से प्लेटफ़ॉर्म तक आने वाली ट्रेनों की जांच की जा रही है। इस दौरान फ़ायर सेफ्टी से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान



दिया जा रहा है ताकि किसी भी प्रकार की आगजनी की घटना को रोका जा सके। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के दौरान ट्रेनों में गैस सिलेंडर, इलेक्ट्रिक हीटर एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थों के अवैध परिवहन के मामलों में अब तक 23 व्यक्तियों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है, जिनमें 9 पेन्ट्रीकार मैनेजर/स्टाफ़ भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त ट्रेनों में धूम्रपान करने वाले 1,099 व्यक्तियों पर भी

नियमानुसार कार्रवाई की गई है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर फ़ायर सेफ्टी सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की ज्वलनशील सामग्री साथ लेकर यात्रा न करें तथा रेलवे परिसर एवं ट्रेनों में धूम्रपान से बचें, जिससे सुरक्षित एवं संरक्षित रेल यात्रा सुनिश्चित की जा सके।

मेड़पार बाजार में कच्ची महुआ शराब पर पुलिस का छापा, आरोपी जेल भेजा गया

बिलासपुर। हिर्री थाना क्षेत्र में अवैध महुआ शराब के कारोबार पर पुलिस ने ताबडोड़ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को रंगे हाथ दबोच लिया। मेड़पार बाजार में घर के पास छिपाकर रखी गई हाथ भट्ठी की कच्ची महुआ शराब बरामद होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मुखबिर की सटीक सूचना पर हिर्री पुलिस ने शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे दबिश दी और आरोपी कैलाश प्रजापति पिता स्वर्गीय बहोरन प्रजापति उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम मेड़पार-बाजार थाना हिर्री जिला बिलासपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को आरोपी के कब्जे से पीले रंग के 10 लीटर वाले प्लास्टिक डिब्बे में भरी 9 लीटर हाथ भट्ठी की बनी कच्ची महुआ शराब मिली, जिसकी कीमत करीब 1800 रुपये बताई गई है। कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मथुलिका सिंह और नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा डी.आर. टंडन के दिशा-निर्देश पर थाना प्रभारी हिर्री के नेतृत्व में गठित टीम ने की। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी अपने घर के पास भारी मात्रा में अवैध शराब रखकर बिचकी की तैयारी में है। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। मामले में अपराध क्रमांक 120/2026 दर्ज कर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की गई और उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे कारोबारियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

जमीन बेचकर बेटियों के लिए बनाया फुटबॉल मैदान

राजस्थान के छोटे से गांव की लड़कियों ने 60 साल बाद जीती नेशनल ट्रॉफी

बीकानेर। तपती रेत, दूर-दूर तक फैला सन्नाटा, और रुढ़िवादिता की मजबूत बेड़ियां। ढाई हजार की आबादी का यह छोटा सा गांव ढींगसरी, राजस्थान के नक्शे पर किसी भी आम रेतिले गांव जैसा ही नजर आता है। इन दिनों इस गांव की हवा बदली हुई है। सुबह की पहली किरण फूटने से पहले, जब पूरा रेगिस्तान सो रहा होता है, तब यहां की रेतिली जमीन पर जूतों की थाप और फुटबॉल की ‘टप-टप’ की आवाजें गूंजने लगती हैं। यह कहानी सिर्फ एक खेल की नहीं है। यह कहानी है उस संघर्ष की, जिसने बकरियां चराने वाली और घर-खेत के कामों में सिमटी बच्चियों को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बना दिया। आज वर्ल्ड फुटबॉल डे के मौके पर बीकानेर शहर से दक्षिण में 58 किलोमीटर दूर ढींगसरी गांव हम आपके ले चलते हैं, जहां की बेटियां फुटबॉल में नाम कमा रही हैं।

ब्रीफ न्यूज

आईपीएल के 19 वें सत्र में बुमराह के नाम दर्ज हुआ अनचाहा विश्व रिकार्ड

एक विकेट के लिए लुटाये 102 रन मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आईपीएल के 19 वे सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। सबसे हैरानी की बात ये रही कि उन्होंने एक विकेट के लिए 102 रन लुट दिये। इस प्रकार बुमराह के नाम इस सत्र में टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। उनके आंकड़े इतने हैरानी भरे रहे कि लग ही नहीं रहा था कि बुमराह गेंदबाजी कर रहे हैं। अपनी सटीक यॉर्कर और धीमी गेंदों के कारण बल्लेबाजों के विकेट लेने वाले बुमरा पर इस सत्र में जमकर चौंके, छक्के लगे।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन, पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई । आईपीएल के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त होने के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रस में गुजरात टाटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन शीर्ष पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार नंबर एक पर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आचर अंतिम लीग मैच में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष तीन गेंदबाजों में आ गये हैं।

प्लेऑफ के लिए वेंकटेश अय्यर को टीम में बनाए रखें आरसीबी: सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आईपीएल प्लेऑफ को लेकर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से कहा है कि उसे अंतिम एकादश में वेंकटेश अय्यर बनाये रखना चाहिये। सहवाग के अनुसार फिल साल्ट की संभावित वापसी के बाद भी वेंकटेश को टीम को रखना लाभ दायक रहेगा। साथ ही कहा कि फार्म से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को बाहर रखा जा सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मेगन शट ने ऐसा क्या कहा कि चौंके फैस

महिला टी20 विश्वकप 2026 से जुड़ा मामला

ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी तेज गेंदबाज मेगन शट ने पुष्टि की है कि 2026 महिला टी20 वर्ल्ड कप उनका आखिरी दृष्टष्ट टूर्नामेंट होगा। 2012 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाली शट ने अब तक 240 मैचों में 309 विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा कि अब नई पीढ़ी को आगे बढ़ने का मौका देने का समय आ गया है।

मेगन शट ने सोमवार को बड़ा एलान करते हुए कहा कि आगामी 2026 महिला टी20 वर्ल्ड कप उनके करियर का आखिरी दृष्टष्ट टूर्नामेंट होगा। ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी तेज गेंदबाज ने माना कि अब समय आ गया है जब नई पीढ़ी को टीम की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए। 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाली मेगन शट ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की सबसे सफल गेंदबाजों में गिनी जाती हैं। उन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 240 अंतरराष्ट्रीय

जो कल तक बकरियां चराती थीं, वो आज देश के लिए गोल दाग रही हैं

ढींगसरी गांव की एक बेटी है- मुन्नी भांभू। मुन्नी आज इस गांव की हर उस बच्ची की उम्मीद का चेहरा बन चुकी है, जो कभी पिंजरे में कैद थी। एक बेहद सामान्य परिवार से आने वाली मुन्नी के पास कभी खेलने के लिए ढंग के जूते तक नहीं थे। वो संसाधनों की कमी के बावजूद सबसे पहले मैदान पहुंचती और देर शाम तक अकेले पसीना बहाती।

आज मुन्नी भांभू भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम की मुख्य गोलकीपर हैं और चीन में हुए ‘एशियन कप क्वालिफायर मैच’ में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। 27 साल बाद राजस्थान से भारतीय महिला फुटबॉल टीम में जगह बनाने वाली वे पहली खिलाड़ी हैं। इतना ही नहीं, एसओफफ -19 महिला

चैंपियनशिप 2026’ में मुन्नी को ‘सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर’ का अवॉर्ड भी मिल चुका है। मुन्नी भाबुक हो जाती हैं और कहती हैं- मैं तो गांव में बस सामान्य पढ़ाई कर रही थी। विक्रम सर ने उंगली थामी और मुझे फुटबॉल से जोड़ा। आज मैं जो कुछ भी हूं, उन्हीं की बदौलत हूं।

गांव की बेटियां गोलकीपर के दस्ताने पहनकर तूफानी शॉट रोक रही ढींगसरी गांव की मुन्नी अकेली नहीं हैं।

इस रेतिले धोरों से फुटबॉल की ऐसी पौध निकली है कि आज गांव की करीब 60 बेटियां मैदान पर पसीना बहा रही हैं। ये वो बच्चियां हैं, जिनके हाथों में कुछ समय पहले तक या तो बकरियां चराने की लाठी थी, या फिर चूल्हा-चौका संभालते हुए घरेलू काम का बोझ। जिन उंगलियों को सिर्फ गोबर के उपले थापना सिखाया जा रहा था, आज वे



वर्ल्ड फुटबॉल डे आज

गोलकीपर के दस्ताने पहनकर तूफानी शॉट रोक रही हैं।

लड़कों ने नहीं दिखाया इंटरेस्ट, तो कोच ने थामी लड़कियों की उंगली इस सुनहरे सफर की शुरुआत साल 2020 में हुई थी। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान और अर्जुन अवॉर्ड मगन सिंह राजवी के बेटे विक्रम सिंह राजवी (जो खुद रेलवे में हैं और फुटबॉल कोच हैं) ने नई पीढ़ी को तराशने का बीड़ा उठाया। उन्होंने शुरुआत गांव के लड़कों से की थी, लेकिन लड़कों ने खेल में

कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। वे कभी प्रैक्टिस में आते, तो कभी गायब हो जाते।

गांव की बेटियों को मैदान में उतारा यह राह इतनी आसान नहीं थी। विक्रम सिंह उन घरों तक पहुंचे जहां बच्चियां सिर्फ स्कूल, चूल्हे-चौके या खेत के कामों तक सीमित थीं।



शुरुआत में हर दरवाजे से ‘ना’ सुनने को मिली। लोग बेटियों को बाहर भेजने को तैयार नहीं थे।



विक्रम सिंह कोच, हंसा खिलाड़ी, संजू खिलाड़ी

पिता से उसेन बोल्ट के किस्से सुनकर धावक बने गुरिंदरवीर

नई दिल्ली। 25 साल के गुरिंदरवीर सिंह ने शनिवार को एथलेटिक्स फेडरेशन कप की 100 मीटर दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी कर भारत के सबसे तेज धावक बनने का रिकॉर्ड बनाया। साल 2008 में मशहूर धावक उसैन बोल्ट ने ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। तब 7 साल के गुरिंदरवीर सिंह झड़्डू पर यह देख रहे थे। बोल्ट को रिकॉर्ड बनाते देख वे प्रेरित हुए और तभी टान लिया कि एक दिन भारत के सबसे तेज धावक बनकर देश का नाम रोशन करेंगे। कांस्टेबल पिता कमलजीत उन्हें अक्सर बोल्ट के किस्से सुनाते थे। लोकछाउन में किराए पर होटल लेकर ट्रेनिंग की

महिला विश्वकप के लिए बढ़ा कार्यकाल जून 2029 तक ऑस्ट्रेलियाई की कोच बनी रहेंगी शेली निट्स्के

नईदिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने विमेंस टी20 विश्व कप 2026 से पहले ऑस्ट्रेलिया की हेड कोच शेली निट्स्के के कॉन्ट्रैक्ट को तीन साल के लिए बढ़ा दिया है। शेली अब जून 2029 तक टीम की हेड कोच बनी रहेंगी। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व ऑलराउंडर ने 2022 में मैथ्यू मॉंट के जाने के बाद से हेड कोच का पद संभाला था। शेली का शुरुआती कॉन्ट्रैक्ट चार साल का था। अपनी कार्यकाल में शेली निट्स्के ने टीम को कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल दिलाया, जबकि साउथ अफ्रीका में एक और विमेंस टी20 वर्ल्ड कप टाइटल जिताने में मदद की।

निट्स्के अगले तीन वर्षों में चार बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की जिम्मेदारी संभालेंगी। इसमें 2026

लगातार दूसरे हफ्ते

बर्नी उपविजेता

मुंबई। डिजिटल डेस्क, ग्वालियर। ग्वालियर चम्बल टेनिस असोसिएशन की प्रतिभावान खिलाड़ी वैदही शिन्दे ने लगातार दूसरे सप्ताह शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर एशियन जूनियर अंडर-16 टेनिस प्रतियोगिता के युगल वर्ग में उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया। अगरतला, त्रिपुरा में 18 से 22 मई के बीच आयोजित बालक-बालिका एशियन जूनियर अंडर-16 प्रतियोगिता में वैदही ने अपनी पुनागानती के साथ जोड़ी बनाकर बेहतरीन खेल दिखाया और फाइनल तक का सफर तय किया। इससे पहले भी वैदही पिछले सप्ताह प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची थीं। अपनी के साथ बनाई जोड़ी

जोसीटीए के मुख्य प्रशिक्षक विकास पांडेय ने बताया कि वैदही और अपनी की जोड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन किया। प्री-क्वार्टर



फाइनल में उन्होंने आकाश्या मोताती और सावी भसीन की जोड़ी को 6-1, 6-2 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में अश्वरा मोताती और गौरी को 6-1, 6-0 से शिकस्त दी। लेटेस्ट और ट्रेंडिंग स्टोरीज सेमीफाइनल में वैदही- अपनी की जोड़ी ने ध्याना शाह और अरीशा चौधरी को 6-1, 6-2 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में उन्हें पद्मा और अरन्वी की जोड़ी के खिलाफ 2-6, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उपविजेता बनकर उन्होंने ग्वालियर का नाम रोशन किया। वैदही की इस उपलब्धि पर जोसीटीए के सचिव एवं विक्रम अवार्ड अनुराग ठाकुर सहित टेनिस प्रेमियों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी।

पिता से उसेन बोल्ट के किस्से सुनकर धावक बने गुरिंदरवीर



कोविड में ट्रैक और जिम बंद होने पर जालंधर में गुरिंदरवीर, कोच सरबजीत सिंह हैप्पी के साथ चोरी-छिपे स्थानीय पार्कों के ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर दौड़ते थे। वे सुबह सुरक्षाकर्मियों की नजरों से बचकर ट्रैक पर पहुंचते, रनिंग ड्रिल पूरी कर लौट आते। कई बार ट्रेनिंग जारी रखने

विराट ने युवा मुकुल चौधरी को मैच फिनिशिंग पर दिये टिप्स

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी को जरूरी सलाह दी है। विराट ने मुकेश को मैच में फिनिशिंग की कला सिखाते हुए कहा है कि केवल छक्के मारना ही सब कुछ नहीं है। असली कौशल कठिन हालातों में लक्ष्य का पीछा करना है। उन्होंने कहा कि दबाव के बीच पारी को नियंत्रित करना और अपनी टीम को जीत तक ले जाना सबसे महत्वपूर्ण है। मुकुल ने कहा है कि कोहली ने उन्हें सलाह दी कि सिर्फ छक्के मारना ही किसी बल्लेबाज को महान नहीं बनाता, क्योंकि आजकल कई युवा खिलाड़ी ऐसा आसानी से कर सकते हैं। विराट ने जोर देकर कहा कि असली कला? दबाव में मैच समाप्त करना है, मुश्किल लक्ष्यों का पीछा करते समय शांत रहना, बटुते रन रेट को संभालना और विकेट गिरने के बावजूद टीम को जीत की ओर ले जाना ही किसी खिलाड़ी को विशिष्ट बनाता है।

विराट कोहली

आरसीबी के स्टाफ बल्लेबाज विराट कोहली बड़े मुकाबलों के ही खिलाड़ी माने जाते हैं। कोहली अकेले दम पर किसी भी मुकाबले का रुख पलटने का दमखम रखते हैं। विराट इस सीजन शानदार फॉर्म में भी चल रहे हैं। कोहली ने 14 मुकाबलों में 163 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 557 रन बनाए हैं। विराट अगर क्वालिफायर-1 में अपनी इसी फॉर्म को बरकरार रखने में सफल रहे, तो आरसीबी की फाइनल में पहुंचने की राह आसान हो सकती है।



शुभमनगिल गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी आरसीबी के गेंदबाजों के लिए क्वालिफायर-1 में बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं। गिल की हालिया फॉर्म कमाल की चल रही है और वह इस सीजन 616 रन बना चुके हैं। शुभमन की बल्लेबाजी में खास बात यह है कि वह बिना जोखिम उठाए गेंदबाजों पर दबाव बनाने का हुनर जानते हैं, जो उन्हें बाकी बल्लेबाजों से अलग बनाता है।

अपनी गेंदबाजी से किसी भी मैच को पलट सकते हैं। पावरप्ले में अगर भुवनेश्वर साई सुदर्शन और शुभमन गिल की जोड़ी को पवेलियन भेजने में सफल रहे, तो आरसीबी के लिए पांचवां फाइनल खेलने के दरवाजे आसानी से खुल सकते हैं।

मोहम्मद सिराज: गुजरात टाइटंस के लिए सबसे अहम बात यह है कि मोहम्मद सिराज अपनी लय में लौट आए हैं। सिराज को धर्मशाला के मैदान पर हवा में अच्छी स्विंग भी मिल सकती है

